आज का पुरुषार्थ 9 June 2022

<u>**Source**</u>: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज से याद रखेंगे .. हमारा कर्तव्य कितना महान है .. हम बाबा के मददगार है "*

हम सभी बाबा के बच्चे दुसरों के जीवन में **आशाओं के दीप** जगाने वाले है। इसलिए हमें कभी निराशा के अंधकार में नहीं डूबना है।

हमारी बहुत सुन्दर **साधना** है। और साधना का मार्ग ऐसा होता है किसी इसमें मनुष्य को कभी न कभी निराशा आ जाती है। **हमारा माया से भी युद्ध है।** इस युद्ध में हार जीत का खेल चलता है।

तो कभी न कभी मनुष्य निराश हो जाता है। **वह हताश भी हो जाता है और सोचने लगता** है कि *" पता नहीं मेरी इस माया पर विजय होगी या नहीं। "*

कभी शारीरिक बीमारीयाँ लम्बा समय से चलती है। तो भी मनुष्य निराश हो जाता है। उसकी **खुशी** समाप्त हो जाती है। और कभी उसके जीवन को **समस्यायें** घेरे रहते है।

बहुत प्रयास करने के बाद भी समस्याओं का कोई अंत दिखाई नहीं देता। तो भी मनुष्य बहुत निराश हो जाते है। **परन्तु हमें याद रखना है ...**

" आज यदि **हार** है तो कल **जीत** अवश्य होगी .. आज यदि निन्दा हुई है कल **महिमा** अवश्य होगी .. आज यदि हानि हुई है तो **लाभ** भी अवश्य होगा "

यह खेल ही ऐसा है जिसमें सुख-दुःख, हार-जीत, निन्दा-स्तुति यह सब चलता रहता है। परन्तु जो मनुष्य सदा अपनी लक्ष्य की ओर देखता है वह इन चीज़ों से रूकता नहीं है।

तो अपने संकल्पों को बहुत पावरफूल करे ...

" आज अंधकार है जीवन में .. यह दिन भी बीत जायेंगे .. और प्रकाश की किरणें हमारे जीवन को जगमगाने लगेगी "

तो निराशा की चादर कभी नहीं ओड़नी है। पुरूषार्थ में चाहे कितने भी आपस एन्ड डाउन हो रहे हो, अपने पास कुछ प्लानिंग लेकर अवश्य चलना है।

" विजय हमारी ही है, हमें साथ देने वाला कौन है ? "

यह हमें कभी नहीं भूलना है। और बाबा के यह महावाक्य याद रखना है कि कई बच्चे समस्याओं में इतना उलझ जाते है, इतना निगेटिव हो जाते है कि यह भी भूल जाते है कि ....

" हमें साथ देने वाला कौन है ? "

तो आइये हम खुशियों से अपना श्रृंगार करे। खुशनुमा चेहरा हमारा म्यूज़ियम बन जायेगा। और इस म्यूज़ियम को देखकर अनेकों को **सतज्ञान** प्राप्त होगा। अनेकों के जीवन से निराशा के काले बादल छट जायेंगे।

सोचो हमारा कर्तव्य कितना महान है। संसार में कितने लोग निराशा के नींद में सोये है। Students में भी बहुत सारे जो सफल नहीं होते, जो बार-बार interview देकर भी नौकरी नहीं पाते, निराश हो जाते, उदास हो जाते

है। लेकिन हमें तो सबको खुशियाँ देनी है। हमारा जीवन खुशियों का भण्डार बना रहे, इसके लिए रोज़ सवेरे ही स्वयं को खुशी से हम भरपूर करेंगे।

तो इस निराशा की अंधकार से बचने के लिए, **स्वयं को खुशी की खजानों से सम्पन्न करने** के लिए हमें श्रेष्ठ संकल्पों की जरूरत पड़ती है।

तो अपने पास 25 स्वमान लिखकर रख ले और उनको याद करते चले। तो हमारे जीवन से निराशा के सभी संकल्प समाप्त हो जायेंगे।

क्योंकि निराशा हमें अपनी शक्तियों को भूला देती है। **और शक्ति की याद आते ही निराशा आशा में बदल जाती है।** तो आज सारा दिन हम बहुत सुन्दर ड्रिल करेंगे कि ...

और उनके मस्तक से शीतलता की किरणें हमें आ रही है ....

और हमारे राइट साइड में है .. ज्ञान सूर्य शिवबाबा .. उनसे शक्तियों की किरणें मिल रही है ...

इस तरह आज बार-बार दोनों से किरणें लेते रहेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org